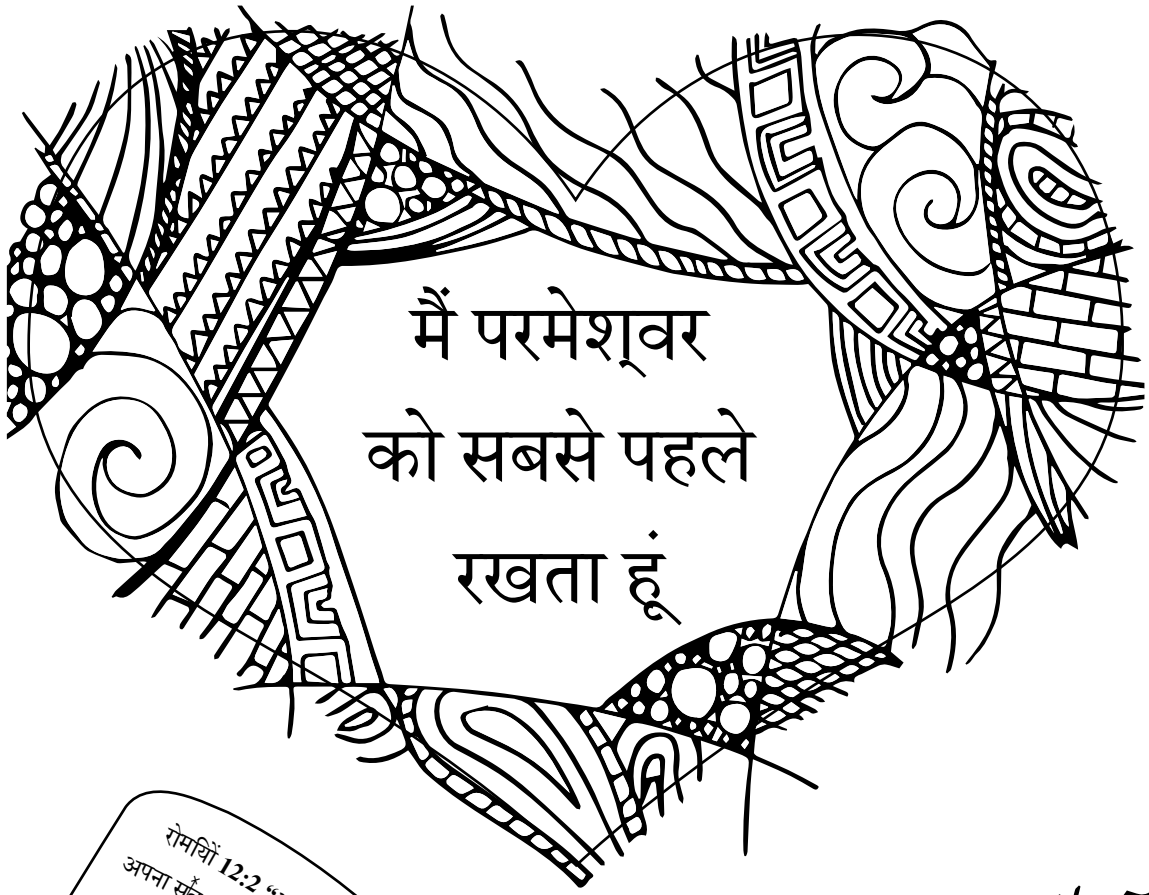

रोमियों **12:2** "आप इस संसार के अनुरूप आचरण न करें, बल्कि अपनी सब कुछ नयी दृष्टि से देखें और
अपना स्वभाव बदल लें। इस प्रकार आप जान जायेंगे कि परमेश्वर क्या चाहता है और उसकी दृष्टि
में क्या भला, सुखदायक तथा सर्वोत्तम है"

रोमियों **12:2** "आप इस संसार के अनुरूप आचरण न करें, बल्कि अपनी सब कुछ नयी दृष्टि से देखें और
अपना स्वभाव बदल लें। इस प्रकार आप जान जायेंगे कि परमेश्वर क्या चाहता है और उसकी दृष्टि
में क्या भला, सुखदायक तथा सर्वोत्तम है"

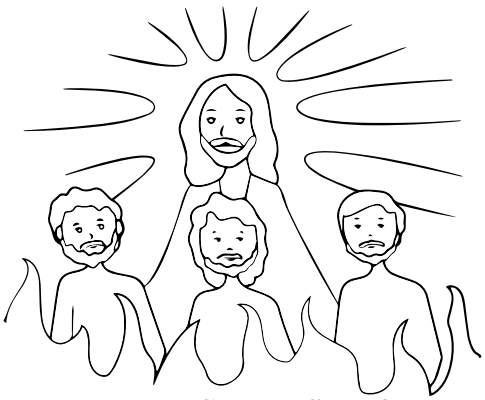

भजन संहिता 47:2 क्योंकि प्रभु, सर्वोच्च परमेश्वर भय
योग्य है; वह समस्त पृथ्वी का महान राजा है।

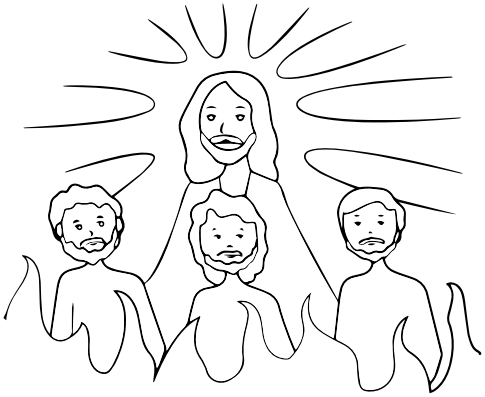

भजन संहिता 47:2 क्योंकि प्रभु, सर्वोच्च परमेश्वर भय
योग्य है; वह समस्त पृथ्वी का महान राजा है।

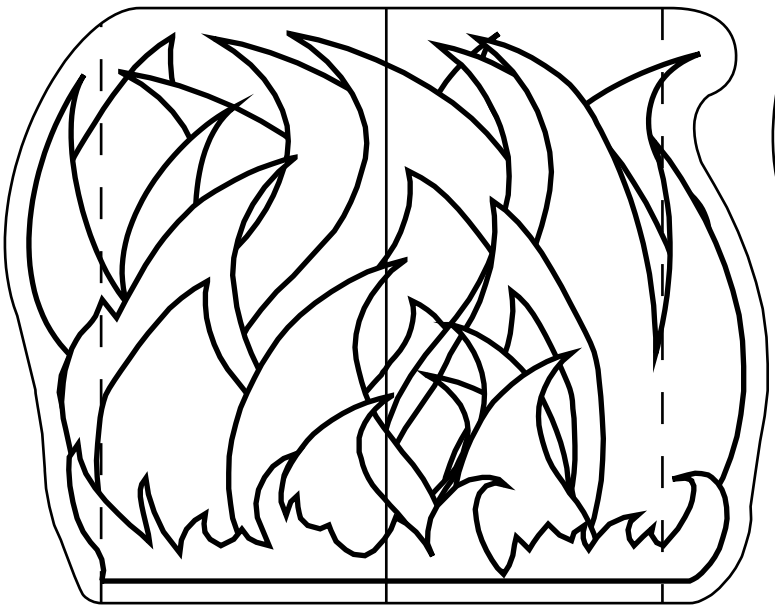

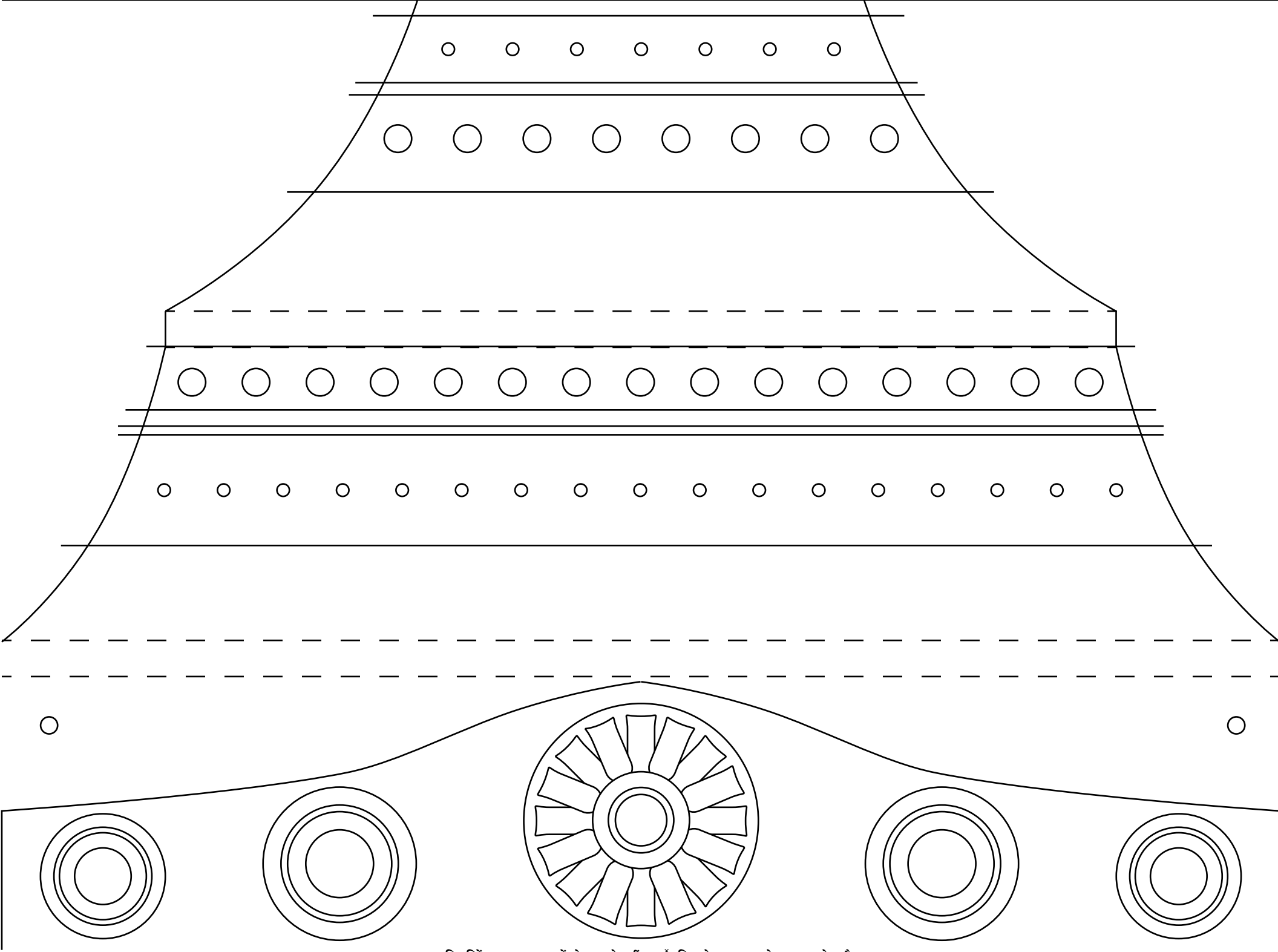

1 कुरन्थियों 13:6 “वह दूसरों के पाप से नहीं, बल्कि उनके सदाचरण से प्रसन्न होता है।”

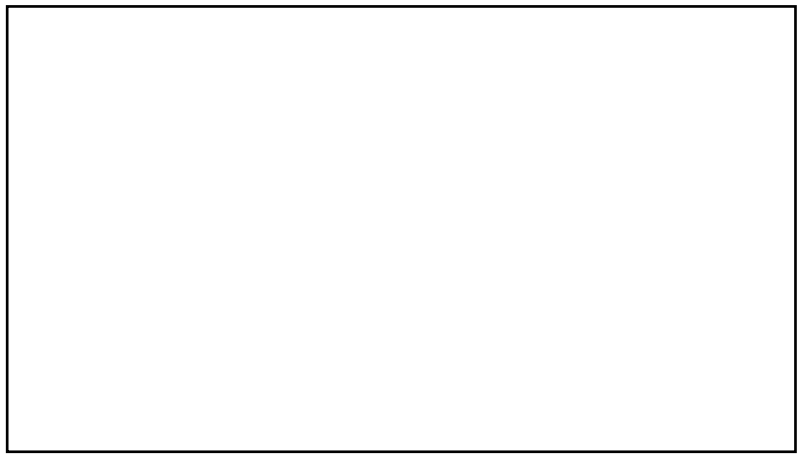

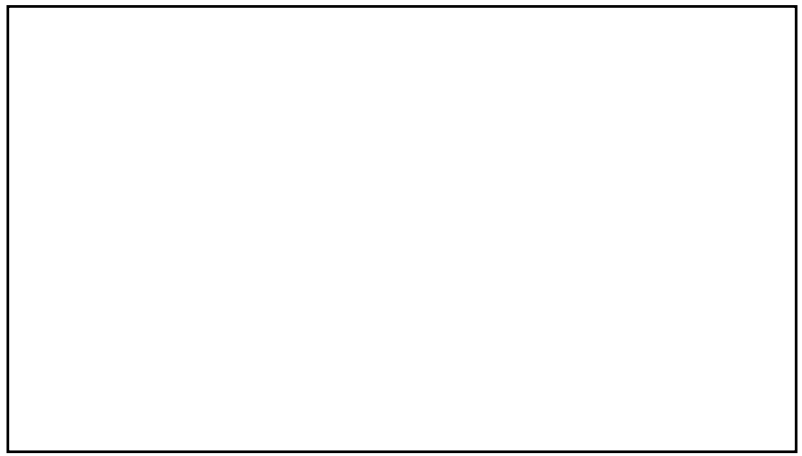

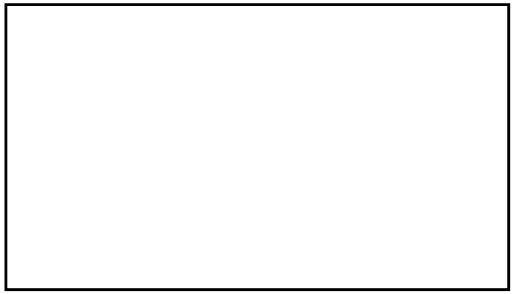

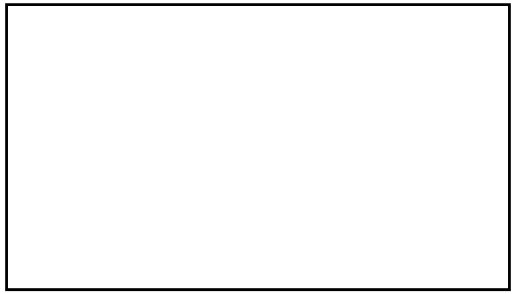

मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं
मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं	मैं साहसी हूं

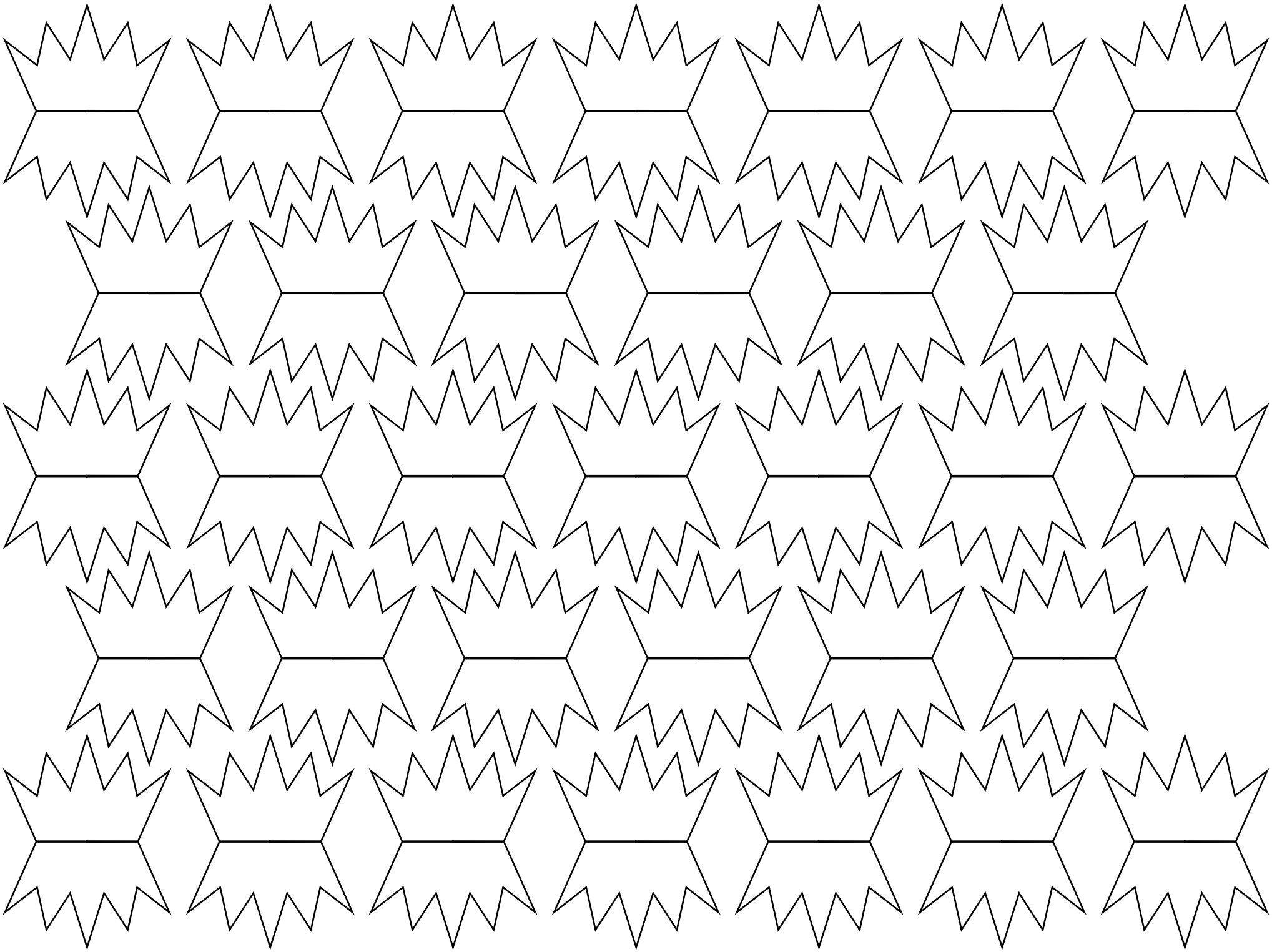

V

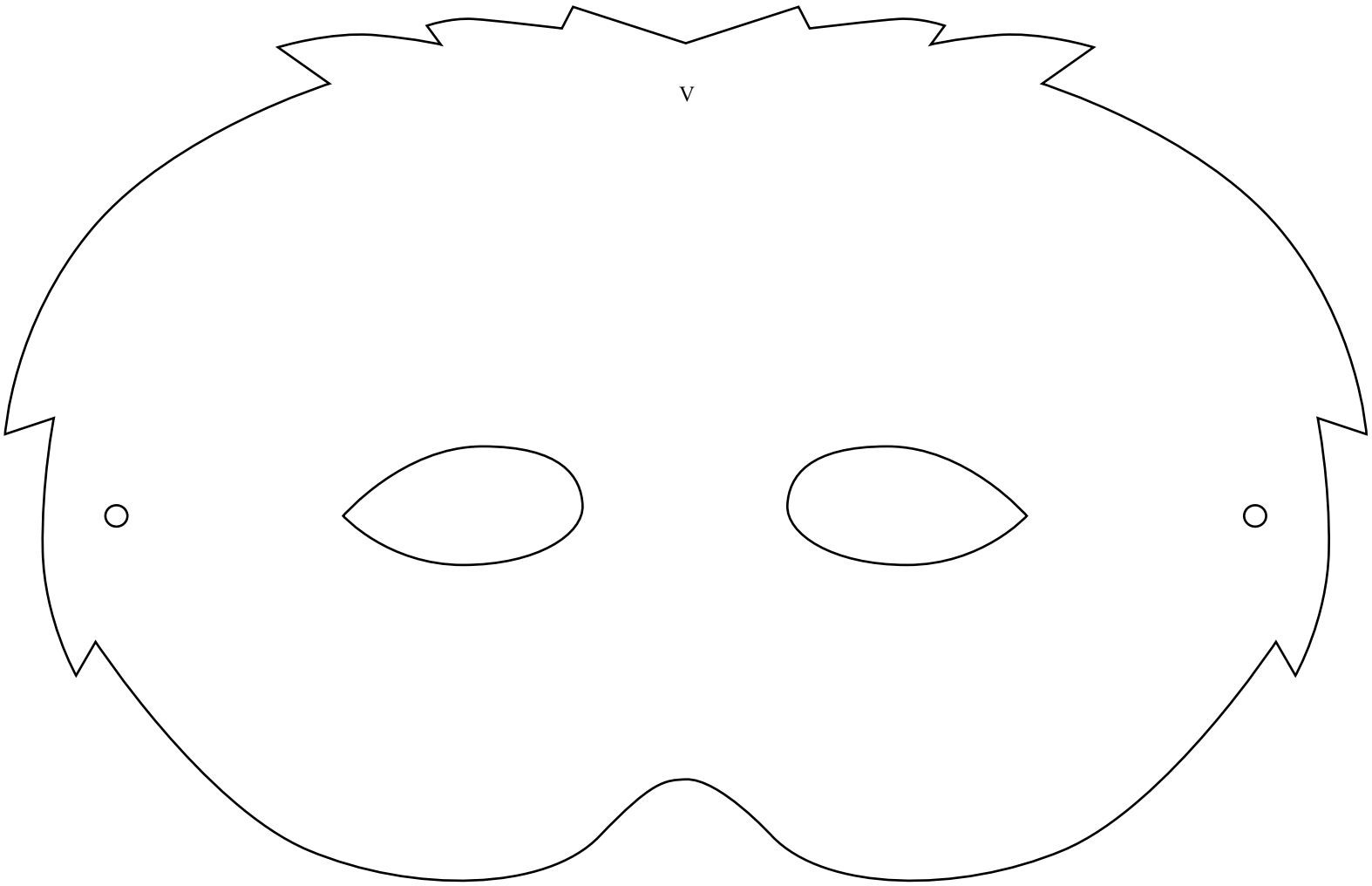

इब्रानियों 10:36 “आप लोगों को धैर्य की आवश्यकता है, जिससे परमेश्वर की इच्छा पूरी करने के बाद आप को वह मिल जाये, जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर कर चुका है”